

## ओम परवत से पहली बार बर्फ लुप्त

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में इतिहास में पहली बार [उत्तराखंड के ओम परवत](#) से बर्फ लुप्त हो गई है, जिससे [पर्यावरणविदों](#) में गहरी चिंता उत्पन्न हो गई है।

### प्रमुख बिंदु

- विशेषज्ञों ने इस अभूतपूर्व घटना के लिये मुख्य रूप से पिछले पाँच वर्षों में ऊपरी [हिमालयी क्षेत्र](#) में हुई कम वर्ष और छटिपुट बर्फबारी को ज़िम्मेदार ठहराया है।
- वर्षा में [उल्लेखनीय गिरावट](#) ने सीधे तौर पर ओम परवत पर बर्फ के आवरण को कम करने में योगदान दिया है। इसके अतिरिक्त वाहनों से होने वाले [प्रदूषण](#) में वृद्धि तथा [ग्लोबल वार्मिंग](#) के प्रभावों ने स्थिति को और भी बदतर बना दिया है।
  - इस घटना के प्रभाव से क्षेत्र के [पर्यटन उद्योग](#) पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है।
- ओम परवत से बर्फ का लुप्त होना [जलवायु परिवर्तन](#) के व्यापक प्रभाव का स्पष्ट संकेत है।
  - हिमालय क्षेत्र, जो अपने नाजुक पारस्थितिकी तंत्र के लिये जाना जाता है, [तापमान और वर्षा पैटर्न में परिवर्तन के लिये विशेष रूप से अतिसंवेदनशील है](#)
  - वैश्विक तापमान में वृद्धि ने [ग्लेशियर पिघलने और बर्फबारी में कमी](#) को बढ़ा दिया है, जिससे क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता तथा जल संसाधन प्रभावित हो रहे हैं।
- क्षेत्र में [जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के प्रयासों](#) में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करना, [वनाग्नि को नियंत्रित करना](#) तथा [सतत पर्यटन पद्धतियों को बढ़ावा देना](#), जैसे उपाय शामिल होने चाहिये।
  - [पारस्थितिकी रूप से संवेदनशील क्षेत्रों](#) की वहन क्षमता का आकलन करने तथा [वाहनों की गतिविधियों पर कड़े नियम लागू](#) करने से हिमालय की प्राकृतिक सुंदरता और पारस्थितिकी अखंडता को संरक्षित करने में सहायता मिल सकती है।

//



### ओम परवत

- यह उत्तराखण्ड के पथौरागढ़ जिले की व्यास घाटी में लगभग 14,000 फीट की ऊँचाई पर स्थित है
- यह अपनी बर्फ से ढकी चोटी के लिये प्रसिद्ध है, जो स्वाभाविक रूप से हट्टि प्रतीक "ओम" जैसा पैटर्न बनाती है
- इस अनूठी विशेषता ने इसे पर्यटकों और तीर्थयात्रियों के बीच एक लोकप्रिय गंतव्य बना दिया है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/no-snow-on-om-parvat>

